घंसौर अस्पताल में युवक की मौत के बाद बवाल

शव रखकर स्टेट हाईवे पर चक्काजाम : डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही, चार घंटे एम्बुलेंस का इंतजार और चपरासी से उपचार कराने के आरोप, बीएमओ को हटाने की मांग

घंसौर नवभारत। घंसौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक युवक की मौत के बाद शुक्रवार को हालात तनावपूर्ण हो गए। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने युवक का शव मंडला-लखनादौन स्टेट हाईवे पर रखकर चक्काजाम कर दिया। इसके चलते हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

मृतक के परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जब वे गंभीर हालत में युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे, तब किसी डॉक्टर ने उसका उपचार नहीं किया। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सकीय उपचार के बजाय अस्पताल के एक चपरासी द्वारा युवक का उपचार किया गया, जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। परिजनों का यह भी आरोप है कि युवक की हालत गंभीर होने पर उसे रेफर तो कर दिया गया, लेकिन अस्पताल की एम्बुलेंस लंबे समय से खराब होने के कारण उपलब्ध नहीं हो सकी। उनका कहना है कि उन्होंने लगभग चार घंटे तक एम्बुलेंस का इंतजार किया, लेकिन वाहन नहीं पहुंचा। उनका दावा है कि समय पर एम्बुलेंस और उचित उपचार मिल जाता तो युवक की जान बच सकती थी। घटना से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने दोषी डॉक्टरों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही, अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की उच्चस्तरीय जांच तथा बीएमओ भारती सोनकेशरिया को तत्काल हटाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अस्पताल में लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं और मरीजों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

> घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) घंसौर, पूरा राजस्व अमला, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी नम्रता सौंधिया सहित कई थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक परिजन और ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए थे। प्रदर्शनकारी लगातार कलेक्टर नेहा मीना को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक कलेक्टर स्वयं घटनास्थल पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन नहीं देती तब तक चक्काजाम समाप्त नहीं किया जाएगा। समाचार लिखे जाने तक अस्पताल प्रबंधन और बीएमओ की ओर से परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

ब्रिटिशकालीन पुल मार्ग हुआ जर्जर, राहगीरों को भारी परेशानी

छपारा नवभारत। नगर की बैनगंगा नदी पर स्थित ब्रिटिश कालीन पुल, जो नगरवासियों एवं क्षेत्रीय ग्रामीणों के आवागमन का प्रमुख मार्ग है, इन दिनों जर्जर हालत में पहुंच गया है। पुल तक जाने वाला सड़क मार्ग जगह-जगह गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुका है, जिससे आवागमन बेहद कठिन और जोखिमपूर्ण हो गया है।

बारिश के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो गई है। प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले छात्र-छात्राओं, स्थानीय नागरिकों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किए जाने वाले मरीजों को ले जाने वाली एंबुलेंसों तथा अन्य वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटना की आशंका भी लगातार बनी रहती है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि समय रहते लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई, जिसके कारण मार्ग की स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई। क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि संबंधित मार्ग के पुनर्निर्माण की विभागीय स्वीकृति मिलने के बावजूद कार्य शुरू नहीं किया गया है, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

नगरवासियों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए मार्ग की शीघ्र मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि आमजन सुरक्षित एवं सुगम आवागमन कर सकें।

एक नजर में

पेंशनर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष बने अशोक वर्मा

सिवनी। पेंशनर एसोसिएशन एक मच एक आवाज मध्य प्रदेश की अध्यक्ष गीता भारद्वाज द्वारा सिवनी नगर के सेवानिवृत शिक्षक अशोक कुमार वर्मा को संघ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है उनकी नियुक्ति से पेंशनरों को आने वाली समस्या का निराकरण को लेकर कार्य किया जाएगा साथ ही अपने साथियों के साथ जिला स्तर पर कमेटी गठित कर संगठन के कार्यों को अंजाम दिया जाएगा उनके घोषित किए जाने से सभी ईस्ट मित्रों द्वारा शुभकामनाएं दी गई है।

गर्भपात प्रकरण : फरार कथित महिला डॉक्टर पर 3 हजार का इनाम घोषित

सिवनी/कुरई। कुरई थाना क्षेत्र के चर्चित नाबालिग कथित अवैध गर्भपात प्रकरण में पुलिस ने फरार चल रही कथित महिला डॉक्टर विमल टेकरी निवासी की तलाश तेज कर दी है। बादलपार चौकी प्रभारी द्वारा ने जानकारी लेने पर बताया गया कि पुलिस अधीक्षक महोदय सिवनी के निर्देशानुसार आरोपित कथित महिला डॉक्टर तबस्सुम खान के संबंध में विश्वसनीय सूचना देने अथवा उसका पता बताने वाले व्यक्ति को 3,000 का नगद इनाम घोषित किया गया है। पुलिस के अनुसार, मामले में आरोपी महिला डॉक्टर के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं पॉक्सो अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज है। विवेचना के दौरान आरोपी की भूमिका सामने आने के बाद से उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं, लेकिन अब तक आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर बताई जा रही है। गौरतलब है कि इस मामले में दुष्कर्म के मुख्य आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय के माध्यम से जेल भेज चुकी है। वहीं, कथित महिला डॉक्टर की अग्रिम जमानत याचिका भी न्यायालय द्वारा खारिज की जा चुकी है। इसके बाद पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के प्रयास और तेज कर दिए हैं।

चिकित्सक विहीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उगली, प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

उगली नवभारत। सिवनी जिले की अति संवेदनशील विधानसभा केवलारी की उप तहसील उगली मुख्यालय जहां पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तो नगर के बीचो-बीच स्थित है,लेकिन दुर्भाग्य है कि यहां पर संविदा चिकित्सक के रूप में डॉक्टर विजेंद्र ऊइके की पद स्थापना होने के बावजूद भी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक अनुपस्थित है,

जिसका मुख्य कारण यह है, कि डा.विजेंद्र ऊइके ट्रेनिंग सत्र के चलते भोपाल में आगामी दो वर्षों के लिए अंडर ट्रेनिंग है, जिसके आधार पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उगली में चिकित्सक के पद स्थापना दिखाई दे रही है, लेकिन धरातल स्तर पर बात करें तो स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक न होने से अन्य स्वास्थ्य सुविधायें पूर्ण रूप से सुचारू नहीं है, इसके अलावा चिकित्सालय में फार्मासिस्ट,एएनएम, स्टाफ नर्स कंपाउंडर,टेली मेडिसिन के लिए ऑपरेटर और पुरुष और महिला कर्मचारी के रूप में सभी लोग तो हैं, लेकिन चिकित्सक नहीं है,मुख्य रूप से मानसून के समय में संक्रमण का खतरा अधिक बना रहता है,ग्रामीण परिवेश और वनांचल क्षेत्र उगली और आसपास का इलाका सघन वन बाहुल्य वाला क्षेत्र है, यहां पर अक्सर जंगली जानवरों का मूवमेंट होता है, ग्रामीणों को इनसे

भय रहता है,कई बार खूंखार जानवर के काटने के भी मरीज अस्पताल में आते हैं, अभी वर्तमान में बरसात के समय सर्पदंश के केस अधिक बढ़ जाते हैं, अगर किसी को आकस्मिक स्नेक बाइट का केस चिकित्सालय में आ जाए तो यहां पर एंटी ऐनम वैक्सीन तो उपलब्ध है, लेकिन इनको लगाने के लिए प्रशिक्षित स्टाफ नहीं है, जिस कारण से स्नेक बाइट वाले केस का समुचित इलाज नहीं हो सकता, केवल सामान्य प्रसव के आधार पर डिलीवरी ही इस अस्पताल में होती है,एक और गंभीर विडंबना यह है, कि निकट पुलिस थाना अस्पताल परिसर के निकट है, पुलिस थाना परिसर में भी कोई मारपीट से संबंधित केस आता है, तो पुलिस मुलाइजा के लिए केवलारी का रुख करना पड़ता है, अत: इस और संबंधित विभाग जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से निवेदन है, कि उगली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत वैकल्पिक व्यवस्था के आधार पर प्रशिक्षित चिकित्सक की पदस्थापना होनी चाहिए,

आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार को प्रदेश में काबिज हुए लगभग पांच पंचवर्षीय बीत चुके हैं,इसके पूर्व जब कांग्रेस का शासन काल था तो महिला व पुरुष चिकित्सक के रूप में यहां पर अस्पताल में डॉक्टर 24म7 उपलब्ध रहते थे, लेकिन जब से भारतीय जनता पार्टी का कार्यकाल आया है, स्वास्थ्य संबंधित सुविधाओं के अंतर्गत उगली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेहाल है.

भीमगढ़ बांध के दो गेट खुले, बैनगंगा नदी में 265 क्यूमेक्स पानी छोड़ा गया

छपारा नवभारत। जिले की जीवनदायिनी संजय सरोवर परियोजना (भीमगढ़ बांध) का जलस्तर निर्धारित सीमा के करीब पहुंचने के बाद शुक्रवार सुबह 11:30 बजे बांध के दो गेट खोल दिए गए। जल संसाधन विभाग द्वारा गेट क्रमांक 5 और 6 को एक-एक मीटर तक खोला गया, जिसके माध्यम से लगभग 265 क्यूमेक्स (करीब 9,340 घनफीट प्रति सेकंड) की रफ्तार से अतिरिक्त पानी बैनगंगा नदी में छोड़ा जा रहा है।

लगातार हो रही बारिश और बांध में बढ़ती जल आवक के चलते जलस्तर तेजी से बढ़ रहा था। ऐसे में बांध की सुरक्षा और जलस्तर को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से अतिरिक्त पानी की निकासी का निर्णय लिया गया। अधिकारियों के अनुसार जलस्तर की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर गेटों के संचालन में बदलाव किया जा सकता है।

बांध से पानी छोड़े जाने के बाद बैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियात बरतने की अपील जारी की है। प्रशासन ने नदी किनारे बसे गांवों और निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। साथ ही लोगों से नदी में स्नान, मछली पकड़ने, पुल-पुलियों पर अनावश्यक आवाजाही तथा नदी के किनारे जाने से बचने की सलाह दी गई है।

प्रशासन ने संबंधित विभागों, राजस्व अमले और आपदा प्रबंधन टीम को अलर्ट मोड पर रखा है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, लेकिन मौसम और जल आवक को देखते हुए लगातार निगरानी की जा रही है।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2 .0 अभियान का पीएम एक्सलेंस कॉलेज में समापन

सिवनी नवभारत। जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 का भव्य समापन समारोह गुरुवार को पी.एम. एक्सलेंस शासकीय पीजी कॉलेज, सिवनी के मुख्य सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर के अधिकारी, शिक्षाविद, सामाजिक संगठन, खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं एवं पुलिस अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी मुख्य अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता डॉ. रविकांत नाग ने की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा, ब्रह्मकुमारी संस्थान की नीतू दीदी, जिला खेल अधिकारी मनु धुर्वे, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य महेश गौतम, जनभागीदारी समिति के निवर्तमान अध्यक्ष अजय पांडेय, एसडीओपी घंसौर नम्रता सोंधिया, एसडीओपी लखनादौन अपूर्व भलावी, एसडीओपी आशीष भराड़े तथा सीएसपी चंचलेश मरकाम विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पुलिस नियंत्रण कक्ष प्रभारी निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे एवं साइबर सेल प्रभारी एएसआई देवेंद्र जायसवाल ने किया।

समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ हुआ। इसके बाद माउंट लिटरा स्कूल के नन्हें कलाकारों ने शास्त्रीय नृत्य एवं स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी, वहीं हनी मनोज गुप्ता ने वंदे मातरम् प्रस्तुत कर वातावरण को देशभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया।

अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने कहा कि नशे से दूरी है ज़रूरी केवल एक नारा नहीं, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशामुक्त रहने और समाज को नशामुक्त बनाने के अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सिवनी पुलिस द्वारा तैयार किए गए विशेष जनजागरूकता गीत ओ भैया, नशे से दूरी है ज़रूरी का भी विमोचन किया गया।

चांदी के जेवर साफ करने के नाम पर कथित ठगी की आशंका, एक युवक पकड़ा गया

कुरई/सिवनी नवभारत। कुरई थाना क्षेत्र के ग्राम चक्की खमरिया एवं कटंगी बंजर में चांदी के जेवर साफ करने के नाम पर कथित ठगी की आशंका का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सतर्कता से एक संदिग्ध युवक को पकड़कर बादलपार पुलिस चौकी के सुपुर्द किया गया। ग्रामीणों के अनुसार चार युवक घर-घर जाकर चांदी के जेवर साफ करने का झांसा दे रहे थे। आरोप है कि वे जेवरों पर रासायनिक पदार्थ का उपयोग कर उन्हें नुकसान पहुंचाते थे। संदेह होने पर ग्रामीणों ने निगरानी की और एक युवक को पकड़ लिया, जबकि उसके साथी फरार हो गए। बादलपार चौकी प्रभारी इंजन सिंह मर्सकोले ने बताया कि पकड़े गए युवक से पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच के बाद तथ्यों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर स्वामी सदानन्द सरस्वती महाराज का पावन सन्देश

सिवनी नवभारत। आषाढ शुक्ल पूर्णिमा का यह पुण्य दिवस भारतीय सनातन वैदिक परम्परा में गुरु-तत्त्व की उपासना का महापर्व है। यह केवल किसी महापुरुष के जन्म अथवा स्मृति का उत्सव नहीं, अपितु उस अनादि ज्ञान-परम्परा के प्रति कृतज्ञता का दिवस है जिसके माध्यम से श्रुति का अमृत, आत्मविद्या का प्रकाश तथा मोक्षमार्ग का यथार्थ स्वरूप युग-युगान्तर से गुरु से शिष्य तक अविच्छिन्न रूप से प्रवाहित होता आया है। इसी कारण यह दिवस गुरुपूर्णिमा के साथ-साथ व्यासपूर्णिमा के नाम से भी विख्यात है।

भारतीय दर्शन का मूलाधार यह है कि मनुष्य का वास्तविक स्वरूप नश्वर शरीर, चंचल मन अथवा सीमित बुद्धि नहीं, अपितु नित्य, शुद्ध, बुद्ध और मुक्त आत्मा है। किन्तु अनादिकाल से अविद्या के कारण जीव अपने इसी स्वरूप को विस्मृत कर संसार के सुख-दुःख, राग-द्वेष तथा जन्म-मृत्यु के चक्र में आबद्ध रहता है। वेदान्त का समस्त प्रयोजन इसी अविद्या का निवारण है। यही कारण है कि उपनिषद् उद्घोष करते हैं- तद्विज्ञानार्थं स गुरुमेवाभिगच्छेत्। आत्मतत्त्व का ज्ञान गुरु के बिना सम्भव नहीं।

गुरु का कार्य शिष्य को कोई नया सत्य प्रदान करना नहीं है। सत्य तो नित्यसिद्ध है। गुरु केवल शिष्य के अन्तःकरण पर पड़े अज्ञान के आवरण को शास्त्रप्रमाण और युक्तिसम्मत उपदेश द्वारा दूर करता है। जब अविद्या निवृत्त होती है, तब वही जीव अपने ब्रह्मस्वरूप का अनुभव करता है। इसलिए वेदान्त में गुरु को परब्रह्म का प्रतिनिधि तथा ब्रह्मविद्या का साक्षात् प्रकाशस्वरूप कहा गया है। भगवान् श्रीनारायण से प्रवाहित यह ज्ञानधारा ब्रह्मा, महर्षि वसिष्ठ, शक्ति, पराशर, भगवान् वेदव्यास, श्रीगौडपादाचार्य, श्रीगोविन्दभगवत्पादाचार्य तथा आदि जगद्गुरु भगवान् श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्य के

माध्यम से अखण्ड रूप से प्रवाहित होती रही है। इसी अविच्छिन्न गुरु-परम्परा ने वेदों के यथार्थ अभिप्राय को सुरक्षित रखा और ब्रह्मविद्या को जीवित परम्परा के रूप में संसार के समक्ष प्रतिष्ठित किया।

भगवान् वेदव्यास का भारतीय अध्यात्म में स्थान अद्वितीय है। उन्होंने वेदों का विभाजन कर उन्हें व्यवस्थित रूप प्रदान किया, ब्रह्मसूत्र के माध्यम से उपनिषदों के सिद्धान्तों का सूत्रीकरण किया तथा महाभारत और पुराणों द्वारा धर्म को लोकजीवन के साथ जोड़ा। इसीलिए व्यास केवल एक महर्षि नहीं, अपितु सम्पूर्ण वैदिक ज्ञानपरम्परा के मूर्त स्वरूप माने जाते हैं। कालान्तर में जब वेदान्त का यथार्थ स्वरूप विविध मत-मतान्तरों से आच्छादित होने लगा, तब भगवान् सदाशिव के अवतार आदि जगद्गुरु भगवान् श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्य ने ब्रह्मसूत्र, श्रीमद्भगवद्गीता तथा प्रमुख उपनिषदों पर अपने अद्वितीय भाष्यों द्वारा अद्वैत वेदान्त की पुनः प्रतिष्ठा की। गुरुपूर्णिमा का वास्तविक सन्देश केवल गुरु का पूजन करना नहीं, अपितु गुरु के उपदेश को अपने जीवन में प्रतिष्ठित करना है। श्रद्धा तभी सार्थक है जब वह शास्त्राध्ययन में परिणत हो; शास्त्राध्ययन तभी सफल है जब वह मनन और निदिध्यासन में परिणत हो; और साधना तभी पूर्ण होती है जब आत्मस्वरूप का बोध जीवन का आधार बन जाए। यही गुरु-दक्षिणा है, यही गुरु-भक्ति है और यही भारतीय ऋषि-परम्परा का सच्चा सम्मान है।

आज आवश्यकता है कि हम अपने जीवन में सत्य, धर्म, करुणा, संयम, स्वाध्याय और आत्मचिन्तन को पुनः प्रतिष्ठित करें। समाज की स्थायी शान्ति केवल भौतिक उन्नति से नहीं, अपितु चरित्र, सदाचार और आत्मविद्या से सम्भव है। इस पावन व्यासपूर्णिमा-गुरुपूर्णिमा के शुभ अवसर पर भगवान् श्रीद्वारकाधीश, जगज्जननी श्रीशारदाम्बा, भगवान् श्रीसिद्धेश्वर महादेव, आदि जगद्गुरु भगवान् श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्य तथा भगवान् वेदव्यास की कृपा समस्त श्रद्धालुजनों पर निरन्तर बनी रहे। प्रत्येक साधक के अन्तःकरण में आत्मविद्या के प्रति अनुराग, गुरु-चरणों में अखण्ड श्रद्धा, शास्त्रों में दृढ़ निष्ठा तथा धर्मपालन का संकल्प सुदृढ़ हो। सम्पूर्ण मानवता शान्ति, सद्भाव, आध्यात्मिक जागरण और लोकमंगल के पथ पर अग्रसर हो—इन्हीं मंगलकामनाओं सहित पावन शुभाशीर्वाद ।

सुधार | सीईओ आकाश जैन के प्रयासों से शुरू हुआ स्थाई निर्माण

पुराने बस स्टैंड की जलभराव समस्या का पटाक्षेप, निर्माण कार्य शुरू

घंसौर नवभारत। नगर के पुराने बस स्टैंड के समीप वर्षों से बनी जलभराव और गंदे पानी की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में आखिरकार ठोस पहल शुरू हो गई है। जनपद पंचायत घंसौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) आकाश जैन के लगातार प्रयासों और सक्रीय कार्यशैली के चलते इस समस्या के निराकरण के लिए निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। लंबे समय से यह स्थान स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ था। बारिश के दिनों में नाली का गंदा पानी सड़क पर फैल जाता था, जिससे लोगों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता था। स्थानीय

लोगों द्वारा वर्षों से इस समस्या के समाधान की मांग की जा रही थी, लेकिन इसका स्थायी निराकरण नहीं हो पा रहा था। सीईओ आकाश जैन ने पदभार संभालने के बाद इस समस्या को गंभीरता से लिया। उन्होंने केवल कार्यालय स्तर पर निर्देश देने तक ही सीमित न रहकर स्वयं कई बार मौके पर पहुंचकर जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों और तकनीकी कर्मचारियों के साथ स्थल का विस्तृत अवलोकन कर जल निकासी में आ रही बाधाओं की पहचान की गई तथा स्थायी समाधान की कार्ययोजना तैयार की गई। लगातार निरीक्षण, समीक्षा और विभागीय समन्वय के बाद अब इस स्थान पर निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद नाली के गंदे पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सकेगी, जिससे वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या से लोगों को स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही क्षेत्र की स्वच्छता में सुधार होगा और आवागमन भी पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित एवं सुगम हो जाएगा। निर्माण कार्य शुरू होने से स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और राहगीरों में खुशी का माहौल है। लोगों ने इसे जनहित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सीईओ आकाश जैन के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी समस्या का समाधान तभी संभव होता है जब अधिकारी स्वयं जमीनी हकीकत को समझकर निर्णय लें, और इस मामले में सीईओ ने लगातार स्थल निरीक्षण कर यह साबित किया है कि जनसमस्याओं के समाधान के प्रति प्रशासन गंभीर है।

> **समस्याओं से राहत की उम्मीद**
> स्थानीय नागरिकों ने उम्मीद जताई कि घंसौर नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षों से लंबित अन्य मूलभूत समस्याओं का भी इसी प्रकार प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। लोगों का मानना है कि यदि विकास कार्य इसी गति से आगे बढ़ते रहे तो क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा और आम जनता को लंबे समय से चली आ रही अनेक समस्याओं से राहत मिलेगी।
>
> **इनका कहना है**
> घंसौर में व्याप्त जन समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है हमारी प्राथमिकता है कि आम नागरिकों की मूलभूत समस्याओं का समयबद्ध एवं स्थाई निराकरण करना है
> **आकाश जैन ,सीईओ जपं घंसौर**

AISO कार्यकारिणी विकास प्रशिक्षण में देशभर से जुटे कार्यकर्ता

सिवनी नवभारत। ऑल इन्वेस्टर सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन (AISO) का दो दिवसीय कार्यकारिणी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 25 एवं 26 जुलाई 2026 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संगठन के शीर्ष नेतृत्व सहित देशभर से पहुंचे पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान संगठन के कार्यों, आगामी रणनीति एवं सभी जिला व ब्लॉक स्तर पर कार्यकारिणी को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के उपरांत AISO के राष्ट्रीय अध्यक्ष हंसराज यादव, राष्ट्रीय महासचिव श्याम कुमार सोनी, राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष विमल कुमार यादव सहित छत्तीसगढ़ प्रदेशाध्यक्ष गणेशराम देवांगन एवं अन्य पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान संगठन के

पदाधिकारियों ने ग्रामीण परिवेश एवं कृषि कार्यों को भी नजदीक से जाना। इसी क्रम में पदाधिकारी महासमुन्द जिले के ग्राम अमलूर निवासी किसान आशाराम खैरवार के खेत पहुंचे। यहां संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हंसराज यादव सहित अन्य साथियों ने किसान के साथ खेत में बीबी-11 धान की रोपाई की। संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों द्वारा खेत में पहुंचकर किसान के साथ कृषि कार्य में सहभागिता किए जाने को लेकर ग्रामीणों एवं किसानों में उत्साह देखा गया। पदाधिकारियों ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। किसानों के साथ सीधे जुड़कर उनके परिश्रम और ग्रामीण जीवन को समझना संगठन की सामाजिक जिम्मेदारी का भी हिस्सा है। खेत में धान रोपाई के इस अवसर को संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने यादगार बताते हुए किसान आशाराम खैरवार के प्रति आभार व्यक्त किया।